

ने ऐसे घादमियों को वहां भर्ती किया है जिसका कि कांग्रेस पार्टी से सम्बन्ध रहा है और आज भी जब दिल्ली प्रशासन एन्क्वायरी करने जाता है तो मन्त्री महोदय और स्टेट मिनिस्टर ओ होम मिनिस्ट्री में है वह हस्तक्षेप करते हैं ? उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए वह तैयार नहीं है। तो मैं मन्त्री महोदय से प्रार्थना करना चाहता हूँ कि क्या वह न्यायिक जांच इसमें करवाएंगे और होम मिनिस्टर से कहेंगे कि वह इसमें हस्तक्षेप न करें ?

एक माननीय सदस्य : दिल्ली प्रशासन को बचाने के लिए यह सवाल किया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हां, जरूर बचायेंगे, वह हमारा प्रशासन है।

श्री राम स्वरूप बिस्मार्थी : अध्यक्ष महोदय जवाब धाना चाहिए। यह मेरी परसनल नालेज में है कि स्टेट मिनिस्टर साहब इसमें हस्तक्षेप करते हैं...

अध्यक्ष महोदय : आपके यात्रजर्वशंम रेकॉर्ड पर आ गए, अब और क्या चाहिए ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नहीं अध्यक्ष महोदय, एक सवाल उठा गया है, उम्मा जवाब धाना चाहिए, क्या यह सच है कि इन संस्थाओं में जिन कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है यह 1967 के पहले की गई है, यह सच है या नहीं। यह उन्हें बताना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : अगर ऐसा सवाल होता तो मैं जरूर जवाब दिना देता। मन्त्री महोदय इसका जवाब दे दें।

SHRI GOVINDA MENON : There are several employees in each of these institutions and I do not know when each one of them were appointed. It may be that some were recruited in 1957, some in 1967 and some later. What am I to say ?

SHRI INDRAJIT GUPTA : Some of them were found guilty and reinstated again.

अखिल भारतीय स्टेशन मास्टर संघ द्वारा पारित संकल्प

+

\*483. श्री शारदानन्द :  
श्री यज्ञ वत्त शर्मा :  
श्री बृज भूषण शाल :  
श्री सूरज मान :  
श्री रामगोपाल शालबासे :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान अखिल भारतीय स्टेशन मास्टर संघ की कार्यकारिणी द्वारा मई, 1969 में दिल्ली में हुई अपनी बैठकों में तथा अगस्त, 1969 में जयपुर अधिवेशन में पारित किये गए संकल्पों को और दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उनके बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेलवे मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री रोहन लाल चतुर्वेदी) : (क) जी हां। मालूम हुआ है कि इस एसोसिएशन ने दिल्ली और जयपुर में क्रमशः मई, 1969 और अगस्त, 1969 को कुछ संकल्प पारित किये थे।

(ख) संघ की मांगों पर सरकार की प्रतिक्रिया का स्पष्टीकरण सदन में पहले ही किया जा चुका है कि सरकार द्वारा इन सभी मांगों की जांच की गयी है, लेकिन सिवाय इसके कि एकीकृत पदोन्नति सराणि का प्रश्न रेल प्रशासन के परामर्श से विचाराधीन है, उनकी किसी मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन कर्मचारियों को राहत देने का प्रश्न भी विचाराधीन है, जो अपने वेतनपान के अधिकतम पर पहुंच चुके हैं।

जहां तक वेतनमानों में सशोधन की मांगों का सम्बन्ध है, वेतन आयोग बैठाने के बारे में सरकार श्रमकों पर राष्ट्रीय आयोग की सिफारिशों को पहले ही सिद्धांत रूप में स्वीकार कर चुकी है और जब और जैसे ही केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग बनाया

जायेगा, स्टेशन मास्टर्स के मामले पर भी पर्याप्त रूप से विचार किया जायेगा।

**श्री शारदा नन्द :** अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि आज देश में 27 हजार स्टेशन मास्टर काम कर रहे हैं और स्टेशन मास्टर्स का काम स्टेशन का सुपरविजन करना रहता है तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार को यह पता है कि बहुत से स्टेशनों पर स्टेशन मास्टर्स का जो वेतन है उससे कहीं अधिक वेतन गुड्स क्लर्क और दूसरे लोगों का है तो इस विषय को दूर करने के लिए सरकार कौन सा पग उठाने जा रही है ?

दूसरी बात—जैसा कि मन्त्री महोदय ने अभी बताया कि सरकार एक आयोग बनाने जा रही है और उसके अधीन इन सब बातों को रखेगी, तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार रेलवे के लिए एक वेतन आयोग अलग से बनाने के प्रश्न पर विचार करेगी ? यदि नहीं तो क्या कठिनाई है ?

THE MINISTER OF LAW AND SOCIAL WELFARE AND RAILWAYS (SHRI GOVINDA MENON) : Since a Pay Commission is being appointed, I do not think it is necessary to have a separate Pay Commission because the Railways also is a part of the Central Government. But if there is any difficulty for the Pay Commission for the general employees of the Central Government looking into this matter, this suggestion will be kept in view.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : What about the first question ?

**श्री शारदा नन्द :** मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या सरकार को यह पता है कि अधिकांश स्टेशन मास्टर भूल हड़ताल पर हैं ? यदि हाँ, तो यह भूल हड़ताल कोई उग्र रूप धारण न करे, इसके लिए सरकार स्टेशन मास्टर संघ के प्रतिनिधियों को बुलाकर उनसे विचार-विमर्श करने के लिए तैयार हैं ?

SHRI GOVINDA MENON : The

Government will give the most sympathetic consideration to the case of station masters.

**श्री वृज भूषण लाल :** अध्यक्ष महोदय, स्टेशन मास्टर्स की जो ड्यूटी और रेस्पॉन्सिबिलिटी है वह बहुत ज्यादा है, इसको हर आदमी मानता है। इसको मद्देनजर रखते हुए यह जो रिपोर्ट अभी आई है जिसमें बताया है कि जो ऐक्सीडेंट्स होते हैं उनका मेन कारण यह भी है कि ह्यूमन नेग्लिजेंस यानी स्टाफ ओवरवर्क रहने से यह ऐक्सीडेंट्स हुआ करते हैं, यह भी वन आफ दि काजेज आफ ऐक्सीडेंट्स होता है जिसमें स्टेशन मास्टर्स को कभी-कभी दो-दो और तीन-तीन आदमियों का काम करना पड़ता है, जो रिलीविंग वाले हैं वह नहीं पहुंचते हैं जिसकी वजह से यह ऐक्सीडेंट्स का एक रीजन बन जाता है, तो मैं जानना चाूंगा कि आईंदा रेलवे ऐक्सीडेंट्स को कम करने के लिए जो रिलीविंग स्टाफ है वह अलैस्ट अप्रारचुनिटी और टाइम पर देने की कृपा करेंगे ताकि उनको सुविधा पहुंचे ?

साथ ही इनकी जो डिमांड हैं कि इनके सेप्टी मेजस का कोई इन्तजाम नहीं है, कई स्टेशन मास्टर लूटे जाते हैं, तो इसके बारे में क्या कोई विशेष कार्यवाही की है ? अगर नहीं तो उसको क्यों नहीं कर रहे हैं ?

SHRI GOVINDA MENON : These suggestions for the better conditions of working on the part of station masters will be sympathetically considered.

**श्री सरज मान :** क्या इन स्टेशन मास्टर्स का जो डिमांड आई है उसमें एक यह भी है कि रेलवे के गार्ड ऊंचे ग्रेड के स्टेशनमास्टर बन सकते हैं लेकिन स्टेशन मास्टर ऊंचे ग्रेड के गार्ड नहीं बन सकते ? यदि हाँ, तो इस एनामली को दूर करने के लिए सरकार कब तक पग उठायेगी ?

दूसरा एक छोटा सा सवाल है कि एंसेंशियल सर्विसेज स्टेशन मास्टर्स की सर्विसेज को मानते हैं तो उनको भी दूसरे एंसेंशियल सर्वि-

सेज की कैटेगरी के मुताबिक रेंट फ्री क्वार्टर देन की बात सोचेंगे ?

**SHRI GOVINDA MENON :** One of the complaints of station masters is that guards are promoted as station masters and one of the complaints of guards is that they get an opportunity for promotion only that way. All these things will, certainly, be considered by the Pay Commission and we will put forward these difficulties of our staff before the Pay Commission.

**SHRI SURAJ BHAN :** What about rent-free quarters ?

**SHRI GOVINDA MENON :** Including that. That is also part of pay.

**श्री रामावतार शास्त्री :** अध्यक्ष महोदय, रेलवे के स्टेशन मास्टर्स का सवाल बड़ा बीहड़ है, यह हंगामा बहुत दिनों से हो रहा है। उनके जयपुर अधिवेशन में जो 23 और 24 को अग्रस्त को हुआ और जहाँ माननीय अटल बिहाड़ी वाजपेयी भी उपस्थित थे और मैं भी उपस्थित था, उन लोगों ने तय किया है कि उनके वेतनमान और लीव रिजर्व के सवालों पर यदि सरकार ने सन्तोषजनक उत्तर नहीं दिया तो वे शायद पहली जनवरी से कोई आन्दोलन करने का विचार रखते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार उनकी एमोसियशन के लोगों से बातचीत करके कोई रास्ता निकालेगी ताकि स्टेशन मास्टर्स को जो सम्भावित आन्दोलन होने वाले हैं, उसको रोका जा सके और उनके असन्तोष को दूर किया जा सके ?

**SHRI GOVINDA MENON :** I understand that my respected colleague in Parliament, Mr. Atal Bihari Vajpayee, is the President of this Association. I will be very happy to talk with him on all these questions.

**SHRI KRISHNA KUMAR CHATTERJI :** In view of the fact that the Station Masters have been having grievances for a long time and have been clamouring for redressing their grievances and that no steps have been

taken to do that and, as the hon. Minister stated, that the Pay Commission will go into the details of their pay-scales and other things, may I request the hon. Railway Minister to assure the House that some interim measures will be taken in the meanwhile to remove some of their grievances that are legitimate and which can be removed immediately, affecting their services, without which they are not able to put in their service to the satisfaction of the authorities ? Will the hon. Minister give that assurance ?

**SHRI GOVINDA MENON :** Certain limited matters are being considered and a decision will be taken on those matters even before the Pay Commission begins to function.

**श्री राम चरण :** स्टेशन मास्टर्स और एक्सिस्टेंट स्टेशन मास्टर्स पर आज जितना लोड-आफ-वर्क है खास तौर पर ट्रेनों की संख्या बढ़ जाने से, उम दृष्टि से उनकी जिम्मेदारी बहुत बढ़ती जा रही है। आज से 10 साल पहले उनके पास जितना काम था, उससे तीन गुना अधिक काम आज उनकी करना पड़ रहा है। क्या इन्टरिम पै कमिशन सैट-अप करने से पहले सरकार उनको कोई इन्टरिम रिलीफ देगी ?

**MR. SPEAKER :** It is the same question.

**SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE :** He will sympathetically consider.

**SHRI J. M. BISWAS :** Due to the adamant attitude on the part of the ex-Railway Minister, Dr. Ram Subhag Singh, the railwaymen, particularly, the Station Masters, who took part in the last strike of September 19, 1968, were subjected to a great harassment. Still the penal measures are being taken against them. I want to know from the present Railway Minister whether he is going to look into those cases sympathetically and whether he is going to condone the break in service and other penal measures inflicted under the instructions of the ex-Railway Minister, Dr. Ram Subhag Singh.

**SHRI GOVINDA MENON :** That is a separate question ?

**SHRI J. M. BISWAS :** He can answer it. It is a very relevant question. Why do you allow him to evade the reply ?

**MR. SPEAKER :** Do you want him to comment on his predecessor ? I don't think you do want. You ask a straight question.

**SHRI J. M. BISWAS :** The fact remains that many of the railwaymen have been victimised.

**SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE :** Without making any comment on his predecessor, the present Railway Minister can say that all those who have been removed from service for participating in the September 1968 strike will be taken back.

**MR. SPEAKER :** I think you have adopted a good role of correcting the question.

**SHRI GOVINDA MENON :** To the best of my knowledge—I speak subject to correction—all of them have been taken back.

**SHRI J. M. BISWAS :** Not all.

**SHRI GOVINDA MENON :** That is why I said 'subject to correction'. If there are any cases remaining, they will certainly be looked into.

श्री हुकम चन्द्र कछवाय : अध्यक्ष महोदय, रेलवे कर्मचारियों की नाना-प्रकार की समस्याएँ हैं तथा इनकी विभिन्न कैटेगरीज हैं। क्या सरकार इनके लिए अलग से वेज-बोर्ड बनाने के लिए तैयार है तथा इन्हें भी वोनम मिले—क्या ऐसी कोई व्यवस्था करने जा रहे हैं ?

श्री रोहन लाल चुतुर्वेदी : जी नहीं।

**Agro-Based Industries in Andaman and Nicobar Islands**

+

\*484. **SHRI K. HALDER :**  
**SHRI BHAGABAN DAS :**  
**SHRI GANESH GHOSH :**  
**SHRI BADRUDDUJA :**

**SHRI JYOTIRMOY BASU :**

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Andaman and Nicobar Islands abound in natural resources ;

(b) if so, the resources available and tapped so far ; and

(c) the steps taken to develop the agro-based industrial in these islands ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI BHANU PRAKASH SINGH) :** (a) Yes, Sir,

(b) and (c). A statement is placed on the Table of the Sabha. [*Placed in Library See. No. LT—2301/69*]

**SHRI K. HALDER :** The refugee problem in our country is a great problem. In fact the influx of refugees from East Pakistan is gradually increasing. There is a great scope in Andaman and Nicobar islands to rehabilitate these refugees. Why is the Government lagging far behind the demand of the refugees ?

**SHRI BHANU PRAKASH SINGH :** Since 1966 a detailed report has been prepared and regarding the problem of rehabilitation, the Government have already rehabilitated refugee families in various islands and they are about 646 families of which the repatriates from Burma were 37, D. Ps—540 and ex-Servicemen—69. They have already been rehabilitated.

**SHRI K. HALDER :** From the statement it is revealed that there is great scope for rehabilitating these refugees in the Andaman and Nicobar islands. But cattle is a problem in the islands. If the refugees are not getting cattle due to shortage of cattle, will the Government take steps to provide them with cattle and other agricultural implements so that the refugees can be rehabilitated soon.

**SHRI BHANU PRAKASH SINGH :** There are no cattle in Andaman/Nicobar islands. We are trying to take cattle there. We have already acquired a jetty for taking